C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड - क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2x4) (1×1) = [9]

एक समय की बात है। कन्नौज में एक परोपकारी महात्मा रहते थे। वे नित्य लोगों को बुराईयों से दूर रहने का उपदेश दिया करते थे। उनकी वाणी का अच्छा प्रभाव होता था। लोग भी उनका मान-सम्मान करते थे।एक दिन वे नशे की बुराईयाँ लोगों को बतला रहे थे। भीड़ में से एक व्यक्ति बाहर निकला और बोला, महात्मन, मुझे अफ़ीम खाने की आदत है, मैं उसे छोड़ना चाहता हूँ, पर छूटती ही नहीं। क्या आप मुझे इसका कोई उपाय बतलाएँगे? महात्मा ने कहा, अवश्य, तुम आज शाम को मेरे आश्रम पर आना, मैं तुम्हें इसकी तरकीब समझाऊँगा। शाम के समय जब वह व्यक्ति आश्रम पर पहुँचा तो महात्मा जी भजन में लगे थे। वह बैठकर प्रतीक्षा करने लगा। कुछ देर बाद महात्मा जी निवृत्त हुए और उठकर इधर-उधर टहलने लगे। वह व्यक्ति भी महात्मा जी का अनुसरण करने लगा।

कुछ समय यों ही बीत गया। अधीरता-से उस व्यक्ति ने महात्मा जी से पूछा, महात्मा जी, मैं वह तरकीब पूछने आया हूँ जिससे अफ़ीम खाने की आदत छूट सके।

महात्मा जी ने एक दृष्टि उस व्यक्ति पर डाली और बोले, तो तुम सचमुच अफीम की आदत छोड़ना चाहते हो?

जी ! उस आदमी का उत्तर था, मैं इससे बहुत परेशान और दुःखी हूँ। ठीक ! कहकर महात्मा जी ने एक लता को अपनी बाहु में लपेट लिया और बोले, मैं तुम्हें इसका उपाय कैसे बताऊँ यह लता तो मुझे छोड़ ही नहीं रही है।

पहले तो वह आदमी भौंचक्का-सा होकर महात्मा जी को देखने लगा, फिर कुछ झिझककर बोला, महात्मन, क्षमा करें, क्या लता भी आदमी को पकड़ सकती है?

महात्मा बोले, अरे भाई ! मैं भी यही कहता हू कि क्या कोई भी बुराई आदमी को पकड़ सकती है? तुम दृढ़ संकल्प के साथ शराब को छोड़ो, तो छूटेगी कैसे नहीं!

आदमी ने महात्मा को प्रणाम किया और घर लौट गया।

1. कन्नौज में कौन रहते थे और वे क्या करते थे? एक दिन वे क्या बतला रहे थे? [2]
2. आदमी आश्रम में पहुँचकर किसका इंतजार करने लगा और क्यों? [2]
3. महात्मा जी ने लता को क्यों लपेट लिया तथा वे आए हुए आदमी को क्या समझाना चाहते थे? [2]
4. आदमी भौंचक्का क्यों रह गया? [1]
5. उपर्युक्त गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [2]

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=[6]

हम अनिकेतन, हम अनिकेतन!
हम तो रमते राम, हमारा क्या घर, क्या दर, कैसा वतन?
अब तक इतनी यों ही काटी, अब क्या सीखें नव परिपाटी
कौन बनाए आज घरौंदा हाथों चुन-चुन कंकड़-माटी
ठाठ फ़कीराना है अपना, बाघंबर सोहे अपने तन।
देखे महल, झोंपड़े देखे, देखे हास-विलास मज़े के
संग्रह के सब विग्रह देखे, जँचे नहीं कुछ अपने लेखे

लालच लगा कभी पर हिय में मच न सका शिणित उद्वेलन।
हम जो भटके अब तक दर-दर, अब क्या ख़ाक बनाएँगे घर
हमने देखा सदन बने हैं लोगों का अपनापन लेकर
हम क्यों सनें ईंट-गारे में? हम क्यों बनें व्यर्थ में बेमन?
ठहरे अगर किसी के दर पर, कुछ शरमाकर कुछ सकुचाकर
तो दरबान कह उठा, बाबा, आगे जा देखो कोई घर
हम रमता बनकर बिचरे पर हमें भिक्षु समझे जग के जन।

1. कवि अपने को कैसा बताता है और क्यों? [2]
2. कवि का अब तक का जीवन कैसा कटा है? [2]
3. कवि अपना (सदन) घर बनाने को इच्छुक क्यों नहीं है? [2]

खण्ड - ख

प्र. 3. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद हैं? कौन से? [2]

प्र. 4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 1x3=[3]

क) राधिका तब चली गई जब उसने थैला लिया। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

ख) बादल घिरते ही किसान नाचने लगा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

ग) अमित की कलम छूटी और गिर गई। (सरल वाक्य में बदलिए)

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=[2]

दोपहर, नमक और मिर्च

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए:1+1=[2]

पीताम्बर, आमरण

प्र. 6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1x4=[4]

1. यह तो तुम जानते ही हैं।
2. तुम मेरी सहायता कीजिए।

3. मैंने कमरे के पिछले खिड़की से झाँका।

4. सारी रात भर मैं पढ़ता रहा।

प्र. 7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए: 1+1=[2]

i. तोलकर बोलना ii. ढाक के तीन पात

खण्ड - ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+1=[5]

1. जापान में जहाँ चाय पिलाई जाती है, उस स्थान की क्या विशेषता है?
2. सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था?
3. तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

प्र. 8 ब बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा? [5]

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=[5]

1. मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता कैसे प्राप्त होती है? [2]
2. पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है? [1]
3. क्या कर चले हम फ़िदा गीत की कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है? [1]

प्र. 9 ब आत्मत्राण शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। [5]

प्र. 10. कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती-सपनों के से दिन पाठ के किस अंश से यह सिद्ध होता हैं? [5]

खण्ड - घ

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए : [5]

1. विज्ञान के चमत्कार
2. हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर
3. यदि हिमालय न होता।

प्र.12. दसवीं में पढ़ने वालीवाला सुधा/सुधीर देसाई, 20 विदयानगर, कुडाळ से न्यू इंग्लिश स्कूल, कुडाळ के प्रधानाचार्य के मार्फत मा. शिक्षाधिकारी, माध्यमिक शिक्षण विभाग, जिला परिषद, सिंधुदुर्ग को पत्र लिखकर अपनी जन्मतिथि में सुधार के लिए प्रार्थना पत्र लिखती/लिखता है। [5]

प्र. 13. खोए हुए सामान की जानकारी के लिए रिक्शा वालों के लिए सूचना तैयार करें। [5]

प्र. 14. दो मित्र के मध्य व्यायाम के महत्त्व को लेकर हो रहे संवाद लिखिए। [5]

प्र. 15. निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : [5]

धुलाई के किए प्रयोग किए जानेवाले साबुन का विज्ञापन तैयार कीजिए।

C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड - क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2x4) (1×1) = [9]

एक समय की बात है। कन्नौज में एक परोपकारी महात्मा रहते थे। वे नित्य लोगों को बुराईयों से दूर रहने का उपदेश दिया करते थे। उनकी वाणी का अच्छा प्रभाव होता था। लोग भी उनका मान-सम्मान करते थे।एक दिन वे नशे की बुराईयाँ लोगों को बतला रहे थे। भीड़ में से एक व्यक्ति बाहर निकला और बोला, महात्मन, मुझे अफ़ीम खाने की आदत है, मैं उसे छोड़ना चाहता हूँ, पर छूटती ही नहीं। क्या आप मुझे इसका कोई उपाय बतलाएँगे? महात्मा ने कहा, अवश्य, तुम आज शाम को मेरे आश्रम पर आना, मैं तुम्हें इसकी तरकीब समझाऊँगा। शाम के समय जब वह व्यक्ति आश्रम पर पहुँचा तो महात्मा जी भजन में लगे थे। वह बैठकर प्रतीक्षा करने लगा। कुछ देर बाद महात्मा जी निवृत्त हुए और उठकर इधर-उधर टहलने लगे। वह व्यक्ति भी महात्मा जी का अनुसरण करने लगा।

कुछ समय यों ही बीत गया। अधीरता-से उस व्यक्ति ने महात्मा जी से पूछा, महात्मा जी, मैं वह तरकीब पूछने आया हूँ जिससे अफ़ीम खाने की आदत छूट सके।

महात्मा जी ने एक दृष्टि उस व्यक्ति पर डाली और बोले, तो तुम सचमुच अफीम की आदत छोड़ना चाहते हो?

जी ! उस आदमी का उत्तर था, मैं इससे बहुत परेशान और दु:खी हूँ।
ठीक ! कहकर महात्मा जी ने एक लता को अपनी बाहु में लपेट लिया और बोले, मैं तुम्हें इसका उपाय कैसे बताऊँ यह लता तो मुझे छोड़ ही नहीं रही है।
पहले तो वह आदमी भौंचक्का-सा होकर महात्मा जी को देखने लगा, फिर कुछ झिझककर बोला, महात्मन, क्षमा करें, क्या लता भी आदमी को पकड़ सकती है?
महात्मा बोले, अरे भाई ! मैं भी यही कहता हू कि क्या कोई भी बुराई आदमी को पकड़ सकती है? तुम दृढ़ संकल्प के साथ शराब को छोड़ो, तो छूटेगी कैसे नहीं!
आदमी ने महात्मा को प्रणाम किया और घर लौट गया।

1. कन्नौज में कौन रहते थे और वे क्या करते थे? एक दिन वे क्या बतला रहे थे? [2]

   उत्तर : कन्नौज में एक परोपकारी महात्मा रहते थे। वे नित्य लोगों को बुराईयों से दूर रहने का उपदेश दिया करते थे। एक दिन वे नशे की बुराईयाँ लोगों को बतला रहे थे।

2. आदमी आश्रम में पहुँचकर किसका इंतजार करने लगा और क्यों? [2]

   उत्तर : आदमी आश्रम में पहुँचकर महात्मा जी के भजन से उठने का इंतज़ार करने लगा, क्योंकि वह उनसे अफ़ीम छोड़ने की तरकीब जानना चाहता था।

3. महात्मा जी ने लता को क्यों लपेट लिया तथा वे आए हुए आदमी को क्या समझाना चाहते थे? [2]

   उत्तर : महात्मा जी ने नशे की बुराईयों को अप्रत्यक्ष रूप से समझाने के लिए लता को लपेट लिया। इसके द्वारा वे समझाना चाहते थे कि बुराईयाँ इनसान को नहीं पकड़ती, बल्कि इनसान ही बुराईयों को पकड़ लेता है।

4. आदमी भौंचक्का क्यों रह गया? [1]

उत्तर : महात्मा जी ने लता को अपने हाथ में लपेटकर कहा कि मैं तुम्हें तरकीब तो अवश्य बताता, पर इस लता ने मुझे पकड़ लिया है तथा छोड़ ही नहीं रही है। यह सुनकर आदमी भौंचक्का रह गया।

5. उपर्युक्त गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [2]

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश से हमें शिक्षा मिलती है कि बुराईयाँ इनसान को नहीं पकड़ती बल्कि इनसान बुराईयोंको पकड़ता है, तथा वह जब चाहे दृढ़-निश्चय के बल पर बुराई को छोड़ सकता है।

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=[6]

हम अनिकेतन, हम अनिकेतन!
हम तो रमते राम, हमारा क्या घर, क्या दर, कैसा वतन?
अब तक इतनी यों ही काटी, अब क्या सीखें नव परिपाटी
कौन बनाए आज घरौंदा हाथों चुन-चुन कंकड़-माटी
ठाठ फ़कीराना है अपना, बाघंबर सोहे अपने तन।
देखे महल, झोंपड़े देखे, देखे हास-विलास मज़े के
संग्रह के सब विग्रह देखे, जँचे नहीं कुछ अपने लेखे
लालच लगा कभी पर हिय में मच न सका शिणित उद्वेलन।
हम जो भटके अब तक दर-दर, अब क्या ख़ाक बनाएँगे घर
हमने देखा सदन बने हैं लोगों का अपनापन लेकर
हम क्यों सनें ईंट-गारे में? हम क्यों बनें व्यर्थ में बेमन?
ठहरे अगर किसी के दर पर, कुछ शरमाकर कुछ सकुचाकर
तो दरबान कह उठा, बाबा, आगे जा देखो कोई घर
हम रमता बनकर बिचरे पर हमें भिक्षु समझे जग के जन।

1. कवि अपने को कैसा बताता है और क्यों? [2]

उत्तर : कवि अपने आप बिना घर-बार का बताता है। वह ऐसा इसलिए कहता है क्योंकि वह तो रमता राम है, वह घूमता-फिरता रहता है। उसका न तो कोई घर है, न कोई ठिकाना और न ही उसका कोई देश है।

2. कवि का अब तक का जीवन कैसा कटा है? [2]

उत्तर : कवि ने अपना जीवन घूमने-फिरने में ही व्यतीत कर दिया है। कवि ने फकीराना जीवन जीया है और वैसे ही रहना चाहता है। वह अब किसी नई परिपाटी को नहीं सीखना चाहता है।

3. कवि अपना (सदन) घर बनाने को इच्छुक क्यों नहीं है? [2]

उत्तर : कवि अपना घर बनाने का इच्छुक इसलिए नहीं है क्योंकि वह किसी बंधन में बँधकर नहीं रहना चाहता। कवि ने अनुभव किया है कि घर बनाने के चक्कर में लोगों का अपनापन चला गया।

खण्ड - ख

प्र. 3. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद हैं? कौन से? [2]

उत्तर : रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद सरल वाक्य, मिश्र वाक्य, संयुक्त वाक्य हैं।

प्र. 4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 1x3=[3]

क) राधिका तब चली गई जब उसने थैला लिया। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

उत्तर : मिश्र वाक्य

ख) बादल घिरते ही किसान नाचने लगा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर : बादल घिरे और किसान नाचने लगा।

ग) अमित की कलम छूटी और गिर गई। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर : अमित की कलम छूटकर गिर गई।

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=[2]

दोपहर, नमक और मिर्च

उत्तर : दोपहर - दो पहरों का समूह - द्विगु समास

नमक और मिर्च - द्वंद्व समास

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए:1+1=[2]

पीताम्बर, आमरण

उत्तर : पीताम्बर - पीत है अम्बर जिसका अर्थात् 'कृष्ण' - बहुव्रीहि समास

आमरण - मृत्यु तक - अव्ययी भाव समास

प्र.6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1x4=[4]

1. यह तो तुम जानते ही हैं।

उत्तर : यह तो तुम जानते ही हो

2. तुम मेरी सहायता कीजिए।

उत्तर : तुम मेरी सहायता करो।

3. मैंने कमरे के पिछले खिड़की से झाँका।

उत्तर : मैंने कमरे की पिछली खिड़की से झाँका।

4. सारी रात भर मैं पढ़ता रहा।

उत्तर : मैं सारी रात पढ़ता रहा।

प्र. 7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए: 1+1=[2]

i. तोलकर बोलना ii. ढाक के तीन पात

i. तोलकर बोलना : संभलकर बोलना।

आजकल के युवाओं के सामने तोलकर बोलना चाहिए।

ii. ढाक के तीन पात : सदा एक सा रहना।

तुम सदैव ढाक के तीन पात ही रहोगे या बदलोगे भी।

खण्ड - ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+1=[5]

1. जापान में जहाँ चाय पिलाई जाती है, उस स्थान की क्या विशेषता है?

उत्तर : जापान में जहाँ चाय पिलाई जाती है, वहाँ की सजावट पारम्परिक होती है। प्राकृतिक ढंग से सजे हुए इस छोटे से स्थान में केवल तीन लोग बैठकर चाय पी सकते हैं। वहाँ अत्यन्त शांति और गरिमा के साथ चाय पिलाई जाती है। शांति उस स्थान की मुख्य विशेषता है।

2. सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था?

उत्तर : सआदत अली और कर्नल दोस्त थे। सआदत अली को कर्नल पर विश्वास भी था। सआदत अली को ऐशों आराम की जिंदगी बिताना पसंद था इसलिए वह खुद तो ऐशो आराम की जिंदगी बिताएगा साथ ही दोस्त और विश्वासपात्र होने के कारण कर्नल की जिंदगी भी बड़े आराम से गुजरेगी। इस तरह सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का मकसद अवध की धन-दौलत पर कब्ज़ा करना था।

3. तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर : तताँरा दिनभर के अथक परिश्रम करने के बाद समुद्र किनारे टहलने निकलता है। उस समय सूरज डूबने का समय हो रहा था। समुद्र से ठंडी बयारें चल रही थी। पक्षियों के घोसलों में लौटने का समय भी हो चला था इसलिए उनकी आवाजें धीरे-धीरे कम हो गई थीं। सूरज की अंतिम किरणें समुद्र पर प्रतिबिम्ब अंकित कर रही थी।

प्र. 8 ब बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा? [5]

उत्तर : पर्यावरण असंतुलित होने का सबसे बड़ा कारण आबादी का बढ़ना है। बढ़ती आवास की समस्या से निपटने के लिए मानव ने समुद्र की लहरों तक को सीमित कर दिया है। समुद्र के रेतीले तटों को भी मानवों ने नहीं छोड़ा है वहाँ पर भी इंसानों ने बस्ती बसा दी है। आसपास के जंगल काट-काटकर नष्ट कर डाले हैं। पेड़ो को रास्तों से हटा दिया। परिणामस्वरूप पशु-पक्षी के लिए आवास ही नहीं बचे हैं। प्राकृतिक आपदाएँ दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। कहीं भूकंप, कहीं बाढ़, कहीं तूफान, कभी गर्मी, कभी तेज़ वर्षा इन के कारण कई बीमारियाँ हो रही हैं। इस तरह पर्यावरण के असंतुलन का जन जीवन तथा पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=[5]

1. मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता कैसे प्राप्त होती है? [2]

उत्तर : मीठी वाणी का प्रभाव चमत्कारिक होता है। मीठी वाणी जीवन में आत्मिक सुख व शांति प्रदान करती है। मीठी वाणी मन से क्रोध और घृणा के भाव नष्ट हो जाते हैं। इसके साथ ही हमारा अंत:करण भी प्रसन्न हो जाता है। प्रभाव स्वरुप औरों को सुख और शीतलता प्राप्त होती है। मीठी वाणी के प्रभाव से मन में स्थित शत्रुता, कटुता व आपसी ईर्ष्या-द्वेष के भाव समाप्त हो जाते हैं।

2. पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है? [1]

उत्तर : मीरा श्रीकृष्ण को सम्बोधित करते हुए कहती हैं कि हे श्रीकृष्ण आप सदैव अपने भक्तों की पीड़ा दूर करते हैं। प्रभु जिस प्रकार आपने द्रोपदी का वस्त्र बढ़ाकर भरी सभा में उसकी लाज रखी, नरसिंह का रुप धारण करके हिरण्यकश्यप को मार कर प्रह्लाद को बचाया, मगरमच्छ ने जब हाथी को अपने मुँह में ले लिया तो उसे बचाया और पीड़ा भी हरी। हे प्रभु ! इसी तरह मुझे भी हर संकट से बचाकर पीड़ा मुक्त करो। मीरा सांसारिक बंधनों से मुक्ति के लिए भी विनती करती हैं।

3. क्या कर चले हम फ़िदा गीत की कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है? [1]

उत्तर : हाँ, इस गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। यह गीत सन् 1962 के भारत-चीन युद्ध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर लिखा गया है।

प्र. 9 ब आत्मत्राण शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। [5]

उत्तर : आत्मत्राण का अर्थ है आत्मा का त्राण अर्थात् आत्मा या मन के भय का निवारण, उससे मुक्ति। त्राण शब्द का प्रयोग इस कविता के संदर्भ में बचाव, आश्रय और भय निवारण के अर्थ में किया जा सकता है। कवि चाहता है कि जीवन में आने वाले दुखों को वह निर्भय होकर सहन करे। दुख न मिले ऐसी प्रार्थना वह नहीं करता बल्कि मिले हुए दुखों को सहने, उसे झेलने की शाक्ति के लिए प्रार्थना करता है। कवि ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उसका बल पौरुष न हिले, वह सदा बना रहे और कोई भी कष्ट वह धैर्य से सह ले इसलिए यह शीर्षक पूर्णतया सार्थक है।

प्र. 10. कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती-सपनों के से दिन पाठ के किस अंश से यह सिद्ध होता हैं? [5]

उत्तर : कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती-पाठ के इस अंश से यह सिद्ध होता हैं - इस पाठ में लेखक ने बचपन की घटना को बताया है कि उनके आधे से ज्यादा साथी कोई हरियाणा से, कोई राजस्थान से है। सब अलग-अलग भाषा बोलते हैं, उनके कुछ शब्द सुनकर तो हँसी ही आ जाती थी परन्तु खेलते समय सब की भाषा सब समझ लेते थे। उनके व्यवहार में इससे कोई अंतर न आता था। क्योंकि बच्चे जब मिलकर खेलते हैं तो उनका व्यवहार, उनकी भाषा अलग होते हुए भी एक ही लगती है। भाषा अलग होने से आपसी खेल कूद, मेल मिलाप में बाधा नहीं बनती।

खण्ड - घ

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए : [5]

1. विज्ञान के चमत्कार

आज का युग विज्ञान का युग है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान ने एक क्रांति पैदा कर दी है। विज्ञान का अर्थ है विशेष ज्ञान। मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं के लिए जो नए-नए आविष्कार किए हैं, वे सब विज्ञान की ही देन हैं।

बिजली की खोज विज्ञान की एक बहुत बड़ी सिद्धि है। आज मनुष्य ने विज्ञान की सहायता से कई बड़े क्षेत्रों में सफलता पाई है जैसे कि चिकित्सा, सूचना क्रांति, अंतरिक्ष विज्ञान, यातायात आदि।

यातायात - संबंधी वैज्ञानिक आविष्कारों ने संसार को एकदम छोटा कर दिया है। पहले जहाँ मानव को एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में कई-कई वर्ष लग जाते थे वहीं आज मानव कई मीलों की दूरियों को हेलीकॉप्टर, हवाई जहाज, कार आदि द्वारा कम समय में पार कर लेता है।

आज रेडियो, टेलीविजन, डीवीडी प्लेयर, थ्रीडी सिनेमा, कम्प्यूटर, इंटरनेट आदि ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें विज्ञान द्वारा मनुष्य के मनोरंजन के लिए उपलब्ध कराया है। मोबाइल, इंटरनेट, ईमेल्स,

मोबाइल पर 3जी और इंटरनेट के माध्यम से फेसबुक, ट्विटर ने तो वाकई मनुष्य की जिंदगी को बदलकर ही रख दिया है।

चिकित्सा और कृषि के क्षेत्रों में भी नई नई खोजों से बहुत लाभ हुआ है। विज्ञान द्वारा खाद व उपकरण, खाद्य पदार्थ, वाहन, वस्त्र आदि बनाने के असीमित कारखानें हैं।

विज्ञान के युद्ध -विषयक अस्त्र शस्त्रों के आविष्कारों ने देश की सभ्यता और संस्कृति को खतरे में डाल दिया है। परमाणु बम और हाइड्रोजन बम भी विज्ञान की ही देन हैं। यह बहुत ही विनाशक हैं। विज्ञान का उपयोग विनाश के लिए नहीं, विकास के लिए होना चाहिए।

2. हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर

भारत में तरह-तरह के पक्षी है। किंतु राष्ट्रीय पक्षी होने का गौरव केवल मोर को प्राप्त है। इन्हें वैसे नदी व जलस्त्रोतों के पास वाले जंगल पसंद होते हैं। ये अकसर घने पेडों वाले इलाके में रहते हैं। मोर के सर पर मुकुट जैसी खूबसूरत कलंगी होती है। इसकी लम्बी गर्दन पर सुन्दर नीला मखमली रंग होता है।

मोर मुख्य रूप से घास-पात, ज्वार, बाजरा, चने, गेहूं, मकई जैसे अनाज खाते हैं। यह बैंगन, टमाटर, प्याज जैसी सब्जियाँ भी खाते हैं। अनार, केला, अमरूद आदि भी इसके प्रिय भोजन हैं। मोर कीड़े-मकोड़े, चूहे, छिपकली, साँपों आदि को भी चाव से खाते है। ये साँपों के सबसे बड़े दुश्मन हैं। कहावत है कि जहाँ मोर की आवाज सुनाई पड़ती है, वहाँ नाग भी नहीं जाता। इसलिए यह किसानों का अच्छा मित्र होता है। मोर का नृत्य बहुत प्रसिद्ध है। मयूर नृत्य समूह में किया जाता है।

नृत्य के समय मोर अपने पंख फैला कर बडा सुन्दर मगर धीमी गति का नृत्य करता है। इसके नृत्य को देखकर मानव इतना प्रभावित हुआ है कि मयूर नृत्य को हमने नृत्य में शामिल कर लिया है। इसके अलावा भरतनाट्यम जैसे शास्त्रीय नृत्य मोर के नृत्य की तर्ज पर होते हैं।

मोर भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रखते हैं। बहुत पहले प्राचीन हिंदू धर्म में इंद्र की छवि मोर के रूप में चित्रित की गई थी। भगवान कृष्ण तो अपने सिर पर मोरपंख लगाते थे। दक्षिण भारत में मोर भगवान कार्तिकेय के वाहन के रूप में जाना जाता है। मोर का शिकार भारत में पूर्णतया प्रतिबंधित है। इसे भारतीय वन्य-जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत पूर्ण संरक्षण दिया गया है।

3. यदि हिमालय न होता।

हिमालय संस्कृत के 'हिम' तथा 'आलय' शब्दों से मिलकर बना है, जिसका शब्दार्थ 'बर्फ़ का घर' होता है। हिमालय भारत की धरोहर है। यह भारतवर्ष का सबसे ऊँचा पर्वत है। हिमालय हमारा सिर्फ पालक या प्रहरी ही नहीं है। न ही शांति, सुंदरता और रोमांच ही इसके मायने हैं। इन सबसे कहीं आगे हमारे अस्तित्व की सबसे बड़ी जरूरत है हिमालय। यदि हिमालय न होता तो उत्तर भारत की सुरक्षा कौन निभाता? यदि हिमालय न होता तो गंगा, यमुना, सिन्धु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियाँ कहाँ से निकलती? हिमालय की छाया में एवरेस्ट, लान्स, नंदादेवी आदि इसके मुख्य हिम शिखर हैं। हिमालय भारत का पहरेदार है। यदि हिमालय न होता तो शत्रुओं से हमारी रक्षा कौन करता? हिमालय उत्तर के बर्फीले पवनों को भारत में प्रवेश करने से रोकता है। दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी पवन हिमालय की ऊँची पर्वत-श्रेणियों से टकराकर भारत में वर्षा करते हैं। यही वर्षा देश को कृषिप्रधान देश बनाती है। इस वजह से भारत को 'सोने की चिड़िया कहलाने का गौरव प्राप्त हुआ है।

पुराणों के अनुसार हिमालय मैना का पति और पार्वती का पिता है। गंगा इसकी सबसे बड़ी पुत्री है। भगवान शंकर का निवास कैलाश यहीं है। महाभारत के अनुसार पांडव स्वर्गारोहण के लिए यहीं आए थे। इस तरह हिमालय सदा से भारतीय संस्कृति, इतिहास और गौरव का साक्षी रहा है।

प्र.12. दसवीं में पढ़ने वालीवाला सुधा/सुधीर देसाई, 20 विदयानगर, कुडाळ से न्यू इंग्लिश स्कूल, कुडाळ के प्रधानाचार्य के मार्फत मा. शिक्षाधिकारी, माध्यमिक शिक्षण विभाग, जिला परिषद, सिंधुदुर्ग को पत्र लिखकर अपनी जन्मतिथि में सुधार के लिए प्रार्थना पत्र लिखती/लिखता है। [5]

सुधीर देसाई,
20, विदयानगर,
कुडाल।
दिनांक : 14 जून 2013
सेवा में,
माननीय शिक्षाधिकारी,
माध्यमिक शिक्षण विभाग,
जिला परिषद,
सिंधुदुर्ग।
विषय - गलत जन्मतिथि में सुधार करने के संबंध में।
(द्वारा - माननीय प्रधानाध्यापिका, न्यू इंगिलश स्कूल, कूडाल।)
महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं सुधीर, न्यू इंग्लिश स्कूल, कुडाल का छात्र हूँ। मेरी जन्मतिथि विद्यालय के रिकार्ड में गलत लिखी गई है। विद्यालय के रिकार्ड के अनुसार मेरी जन्मतिथि 21 फरवरी 2000 है जबकि मेरी सही जन्मतिथि 24 फरवरी 1999 है। प्रमाण के तौर पर मैं नगरपालिका द्वारा जारी जन्मतिथि प्रमाण-पत्र भेज रहा हूँ।

मेरी हाईस्कूल की परीक्षा भी निकट आ गई है। मैं चाहता हूँ कि दसवीं की परीक्षा में बैठने से पहले रिकार्ड में मेरी सही जन्मतिथि दर्ज हो जाए, ताकि बाद में इस बारे में कोई झंझट न हो। अत: आपसे प्रार्थना है कि आप शीघ्र ही मेरी जन्मतिथि में सुधार करने की कृपा करें। साथ ही संबंधित सूचना मेरे विद्यालय के कार्यालय में भी भिजवाने की कृपा करें। इसके लिए मैं आपका अति आभारी रहूँगा।

कष्ट के लिए क्षमा।

धन्यवाद।

भवदीय,

सुधीर।

प्र. 13. खोए हुए सामान की जानकारी के लिए रिक्शा वालों के लिए सूचना तैयार करें। [5]

सूचना

विराट नगर रिक्शा यूनियन

खोया-पाया विभाग

दिनाँक : 4 मार्च 2015

सभी रिक्शा चालकों को सूचित किया जाता है कि गत शनिवार 3 मार्च को एक काले चमड़े का बैग, विराट नगर रिक्शा स्टैंड में छूट गया था। जिस किसी को भी वह बैग मैले तो साथ दिए नंबर 5000 345 23 पर तुरंत संपर्क करें।

सचिव

राकेश त्रिवेदी

प्र. 14. दो मित्र के मध्य व्यायाम के महत्त्व को लेकर हो रहे संवाद लिखिए। [5]

ताहिर : कल कहाँ थे विक्रम?

विक्रम : घर पर ही था, तबियत ठीक नहीं थी।

ताहिर : क्या हुआ था? डॉक्टर को दिखाया?

विक्रम : नहीं डॉक्टर को नहीं दिखाया। वैसे कुछ खास नहीं पर क्या बताऊँ कुछ दिनों से थकान और बार-बार सिरदर्द रहता है।

ताहिर : तुम्हें व्यायाम की आवश्यकता है। दिनभर ऑफिस में बैठने से भी ऐसी समस्याएँ होती है।

विक्रम : मुझे नहीं पसंद व्यायाम करना।

ताहिर : नहीं मित्र व्यायाम से तुम्हारे शरीर में स्फूर्ति आएगी और बीमारियाँ दूर भागेगी।

विक्रम : बड़ी आलस आती है।

ताहिर : ज्यादा नहीं तो सुबह में आधा घंटा चला करो और कुछ हलकी सी कसरत कर लिया करो। मैं तो रोज सुबह चलने जाता हूँ।

विक्रम : अच्छा तो कल से मैं भी तुम्हारे साथ आऊँगा।

ताहिर : यह हुई न बात।

विक्रम : कल सुबह मिलते है।

प्र. 15. निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : [5]

धुलाई के किए प्रयोग किए जानेवाले साबुन का विज्ञापन तैयार कीजिए।

धुलाई बार से कपड़ों की करलो सफाई,
किफायती दाम में धुलाई सुहानी।
धुलाई बार